उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

प्रबन्ध कार्यकारिणी बैठक (दिनांकः 26.05.2013 रविवार)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	(अ) दिनांक 13.01.2013 को हुई कार्यकारिणी बैठक का विवरण (ब) दिनांक ....2013 को होने वाली बैठक का एजेण्डा	2
2	आजीविका कार्यक्रमः (अ) घरेलू आर्थिक सुरक्षा कार्यक्रम (भ्मै) (ब) कषीदाकारी कार्यक्रम (स) गरीबी शमन परियोजना (एमपावर)	3—7
3	शिक्षा कार्यक्रम (अ) गुणवत्ता पूर्ण षिक्षा कार्यक्रम (ब) कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय	8—16
4	पानी, पर्यावरण एवं स्वच्छता कार्यक्रम (ॅंभ्)	17—18
5	बाल अधिकार एवं बाल भागीदारी कार्यक्रम ;त्व्ब् — ळवअमतदंदबमद्ध चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	18—20
6	समेकित बाल विकास परियोजना (प्ब्क्) एवं प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (म्ब्ब्क्)	21—23
7	(अ) स्वास्थ्य कार्यक्रम (ब) दृष्टि परियोजना	23—26
8	आपदा प्रबन्धन कार्यक्रम (क्त्त्) एवं नयी परियोजनाओं की स्वीकृति	26—27
9	स्पोन्सरषिप कार्यक्रम	28—30
9	वित्तीय प्रगति	31—32
10	नई परियोजनाओं की स्वीकृति	32

(ब) दिनांक ....2013 को होने वाली बैठक का एजेण्डा

- गत बैठक की पुष्टि
- गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही
- कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट
- वित्तीय प्रगति
- नयी परियोजनाओं की स्वीकृति
    - वित्तीय साक्षरता अभियान, बीकानेर एवं श्रीगंगानगर
- अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

<u>कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट माहः अप्रेल 2012 से मार्च 2013</u>

आजीविका कार्यक्रम

1. **स्वयं सहायता समूह गठनः** नाबार्ड व अन्य योजनाओं जैसे आईसीडीएस, एमपावर आदि के अन्तर्गत अब तक कुल 1032 समूह संचालित किये जा रहे हैं। नाबार्ड की स्वयं सहायता समूह योजनान्तर्गत माह मार्च 2013 तक कुल 300 समूहों का गठन किया जा चुका है। इनमें से कुल 169 समूहों का बैंकों में खाते खुलवाये जा चुके हैं। मार्च 2013 तक 169 में से 17 समूहों को विभिन्न आयजनक गतिविधियों के लिये बैंक ऋण दिलवाया गया है। इन समूहों की अब तक की कुल बचत 1 करोड़ 22 लाख रूपये है और इनमें से लगभग 1 करोड़ 5 लाख रूपये आन्तरिक लेनदेन के रूप में राषि काम में ली जा रही है। समूहों ने अब तक विभिन्न बैंकों से 2 करोड़ 75 लाख रूपये का ऋण लिया है। महिलाओं के हाथ में पैसा आने से उनमें आत्मसम्मान की भावना का विकास हुआ है। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों जैसे बैंक, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायतीराज विभाग एवं षिक्षा विभाग में अपने आपको स्थापित किया है। समूह में जुड़कर महिलायें बालिका षिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, लिंगभेद, गांव की राषन व्यवस्था आदि के प्रति जागरूक हुई हैं। इसके अलावा बच्चों में कुपोषण कम करने के लिये उन्नत किस्म के सब्जी के बीज, महिला समूहों की महिलाओं को उपलब्ध करवाये गये, जिसकी वजह से महिलाओं को अपने घर में ही ताजा व हरी सब्जियां प्राप्त हो रही है और कुपोषण रोकने के लिये भविष्य में सकारात्मक परिणाम भी मिलेंगे।
2. **समूहों द्वारा की जा रही आयजनक गतिविधियांः** समूहों के माध्यम से आन्तरिक लेनदेन व बैंक लिंकेज से स्वरोजगार से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा को सुनिष्चित करने में महिलाओं को लाभ हुआ है। संस्था क्षेत्र में 32 समूह पापड़ बड़ी, 25 समूह कषीदाकारी, 20 समूह मनिहारी की दुकान, 15 समूह आटा चक्की, जनरल स्टोर, टेक्सी व करीब 550 समूह कृषि एवं पशुपालन जैसी आयजनक गतिविधि से जुड़कर आयसृजन कर रहे हैं। इस प्रकार कुल 642 समूह आयजनक गतिविधि से जुडे हुए हैं।
3. **रोजी रोटी अभियान की राज्य स्तरीय बैठक में भाग लेनाः** रोजी रोटी अभियान के तहत् अक्टूबर 2012 में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों सम्मेलनों, जागरण यात्राओं की कार्ययोजना तैयार करने हेतु दिनांक 25 जुलाई 2012 को जयपुर में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, बीकानेर, चूरू व झूंझनु जिलों में होने वाली यात्राओं की जिम्मेदारी उरमूल परिवार को दी गई। माह अक्टूबर में संस्था द्वारा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न जिलों में रोजी रोटी अधिकार हेतु बैठकें व सेमीनार आयोजित किये गये।
4. **वॉलण्टियर चयन हेतु स्वयं सहायता समूहों की बैठकें व चयन** कोलायत क्षेत्र में गठित स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ करने एवं उन्हें क्लस्टर फैडरेषन से जोड़ने हेतु पंचायत वार वॉलण्टियर का चयन करने के लिये बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, साथिनों, महिला समूहों की महिलाओं एवं आषा सहयोगिनियों ने भाग लिया। बैठकों में न्यूनतम 10वीं कक्षा उतीर्ण वॉलण्टियर का चयन किया गया। प्रत्येक को 30 स्वयं सहायता समूहों की नियमित मासिक बैठकों के आयोजन एवं रिकॉर्ड संधारण का दायित्व दिया गया। वॉलण्टियर्स के सहयोग से समूहों की मासिक बैठकें एवं सामान्य रिकॉर्ड संधारण का कार्य सुचारू करने में समूहों को मदद मिली है।
5. **किसान क्लब कार्यक्रमः** माह अप्रेल 2012 से मार्च 2013 के दौरान कुल 33 किसान क्लबों का गठन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत् किसानों को नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं जैसे ग्रामीण भण्डारण योजना, भेड़ बकरी पालन, संयुक्त देयता समूह, सोलर होमलाईट योजना एवं कृषि विभाग के सहयोग से उननत बीज व खाद के

उपयोग हेतु प्रषिक्षित किया जा रहा है। माह नवम्बर में 6 किसान क्लब के सदस्यों को उन्नत किस्म के गेहूं, चने व सरसों के बीज उपलब्ध करवाये गये।

6. **2 दिवसीय विस्तार कार्यकर्ता क्षमतावर्द्धन प्रषिक्षणः** स्वयं सहायता समूहों की नियमित मासिक बैठकों एवं रिकॉर्ड संधारण हेतु रखे गये वॉलण्टियर्स का क्षमतावर्द्धन प्रषिक्षण 7–8 सितम्बर 2012 तक बज्जू में रखा गया। इस प्रषिक्षण में स्वयं सहायता समूह की अवधारणा, गठन की आवष्यकता, समूह के फायदों, बैंक लिंकेज, आदर्ष समूह के गुण आदि विषयों पर प्रषिक्षण दिया गया।
7. **2 दिवसीय स्वयं सहायता समूह पदाधिकारी प्रषिक्षणः** स्वयं सहायता समूहों को समूह गठन की अवधारणा, आवष्यकता, फायदे, बैंक लिंकेज, नाबार्ड योजना, क्लस्टर व फैडरेषन आदि के बारे में तीन बैच में कुल 59 समूहों के पदाधिकारियों को प्रषिक्षण दिया गया।
8. **विस्तार कार्यकर्ताओं, साथिनों व स्टाफ का शैक्षिक भ्रमणः** क्लस्टर व फैडरेषन का कार्य को देखने एवं अपने क्षेत्र में इसे लागू करने के लिये समझ बनाने हेतु परियोजना में कार्यरत वॉलण्टियर्स, साथिनों, फील्ड स्टाफ का शैक्षिक भ्रमण इब्तिदा संस्था, अलवर में रखा गया। वहां तीन दिन के दौरान कुल दो फैडरेषन व एक क्लस्टर का कार्य देखा। वहां के व्यवस्थित रूप से चल रहे क्लस्टर व फैडरेषन का कार्य अच्छा लगा।
9. **कशीदाकारी का नई डिजायन प्रषिक्षणः** कषीदाकारी कार्य से जुड़ी महिलाओं को नई डिजायनों के लिये प्रषिक्षित करने के लिये सात दिवसीय प्रषिक्षण बज्जू में आयोजित किया गया। प्रषिक्षण में नेषनल इन्स्टीट्यूट ऑफ डिजायन, अहमदाबाद की डिजायनर मनोरथ ढिल्लो द्वारा यह प्रषिक्षण दिया गया। इस प्रषिक्षण में 2 डी.ओ., डेलीतलाई, 2एडी, 6एडी, 7एडी, 8एडी, 9एडी, व 1बीडी की 25 महिलाओं ने भाग लिया।
10. **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोहः** कोलायत व बाप ब्लॉक के गांवों में सबसेन्टर स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 20 गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 2400 महिलाओं ने भाग लिया। समारोहों में महिला सषक्तिकरण, महिला स्वावलम्बन एवं बालिका षिक्षा के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी महिलाओं ने संकल्प लिया कि गांव में अब कोई बाल विवाह नहीं होने देंगे। सभी गांवों में महिलाओं एवं बालिकाओं को **''मै हूं'' और ''चुप्पी तोड़ो''** नामक लघु नाटिकायें दिखाई गई।
11. **संभाग स्तरीय भोजन का अधिकार कार्यषालाः** समुदाय को सरकार की मिड डे मील, पूरक पोषाहार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं नरेगा जैसी योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं इसके लिये कार्य करने हेतु रोजी–रोटी अधिकार अभियान, जयपुर द्वारा बज्जू में 16–17 मार्च 2013 को दो दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यषाला का आयोजन किया गया। भारत सरकार द्वारा वर्तमान में भोजन का अधिकार कानून का प्रस्ताव सदन में पेष किया गया था। लेकिन इस कानून में प्रत्येक नागरिक को सिर्फ 5 किलो गेहूं प्रतिमाह दिये जाने का उल्लेख किया गया था। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, कृषि भूमि जैसे मुद्दों को इस कानून में शामिल नहीं किया गया है। इस कार्यषाला में इस विषय पर भी गम्भीर चर्चा हुई। कार्यषाला में विभिन्न संस्थाओं के कुल 30 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
12. **वित्तीय समावेषन एवं साक्षरता अभियानः** समुदाय को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करने व बैंकों से जुड़ने हेतु प्रेरित करने के लिये नाबार्ड के सहयोग से वित्तीय साक्षरता अभियान, बीकानेर के 30 गांवों एवं श्रीगंगानगर जिले के 10 गांवों में आयोजित करने की जिम्मेदारी नाबार्ड ने दी। यह अभियान बीकानेर जिले में 04 जनवरी 2013 से 22 जनवरी 2013 तक एवं श्रीगंगानगर जिले में में 29 जनवरी से 02 फरवरी 2013 तक आयोजित किया गया। इस अभियान के दौरान नुक्कड़ नाटक, गीतों, कठपुतली शो, दीवार लेखन एवं क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को बैंकिंग सेवाओं के प्रति साक्षर किया गया। अभियान के दौरान लोगों को बैंकों से जोड़ने के लिये उनके सरल बचत खाते खुलवाये गये।
13. **क्रेडिट लिंकेज के लिये द्वितीय पुरस्कारः** नाबार्ड द्वारा उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू को स्वयं सहायता समूहों को सर्वाधिक क्रेडिट लिंकेज के लिये राज्य स्तरीय द्वितीय पुरस्कार से दिनांक 17 फरवरी 2013 को जयपुर में सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार माननीया राज्यपाल मार्गेट अल्वा के कर कमलों द्वारा संस्थ सचिव श्रीमती पुष्पा पुरोहित को प्रदान किया गया।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्वयं सहायता समूह गठन	158	1409
2	स्वयं सहायता समूह बैंक खाते	12	112
3	रोजी रोटी अभियान की राज्य स्तरीय बैठक	1	2
4	वॉलण्टियर चयन हेतु महिला समूहों की बैठकें	13	13
5	रोजी रोटी एवं वृद्धावस्था पेंषन हेतु राष्ट्रीय स्तर का धरना	1	4
6	2 दिवसीय विस्तार कार्यकर्ता क्षमतावर्द्धन प्रषिक्षण	1	29
7	2 दिवसीय स्वयं सहायता समूह पदाधिकारी प्रषिक्षण	4 बैच	84
8	विस्तार कार्यकर्ताओं, साथिनों व स्टाफ कर शैक्षिक भ्रमण	1	18
9	वॉलण्टियर्स व साथिन मासिक समीक्षा एवं नियोजन बैठक	5	90
10	कशीदाकारी का नई डिजायन प्रषिक्षण	1	25

❖ **महिलाओं का आयवर्धन कार्यक्रम**

संस्था द्वारा पाक विस्थापित महिलाओं की परम्परागत कला ''कशीदाकारी'' के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने व स्वावलम्बी बनाने के लिये वर्ष 1991 से आयवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वर्तमान में इस कार्यक्रम से कोलायत ब्लॉक के डण्डकला, छिला कश्मीर, बिजेरी, बन्धली एवं चारणवाला, पूगल ब्लॉक के 2 डी.ओ., डेलीतलाई, 2एडी, 6एडी, 7एडी, 8एडी, 9एडी, व 1बीडी की 550 महिलायें जुड़कर आयसृजन कर रही हैं।

क्र.सं.	विवरण	राशि
1	बिक्री	7114316.00
2	माल वापसी	20141.00
3	शुद्ध बिक्री	**7094175.00**
4	1 अप्रैल 2012 को बकाया ऑर्डर	729996.00
5	ऑर्डर मिला	3623521.00
6	कुल ऑर्डर	4353517.00
7	ऑर्डर पूरा किया	3877441.00
8	बकाया ऑर्डर 31 मार्च 2013	**476076.00**
9	प्रारम्भिक शेष राशि	602302.00
10	बिक्री	7094175.00
11	प्राप्ति	**5978511.00**
12	अन्तिम शेष राशि	**1717966.00**
13	रंगसुत्रा से बकाया राशि	**972904.00**

बाजार व्यवस्था – प्रदर्शनियाँ

1– दस्तकार–दिल्ली

2– दस्तकारी हाट समिति,–दिल्ली

3– सनतकदा–लखनऊ

4– महिला एवं बाल विकास–जयपुर

5– सम्पूर्ण, बैंगलोर

1 फेब इण्डिया बाजार व्यवस्था में रंगसूत्रा

2 खुली बिक्रीः अभिव्यक्ति शोरुम, वसुन्घरा शोरुम

❖ जिला गरीबी शमन परियोजना ;एमपावरद्ध

क्र.सं.	गतिविधि	लक्ष्य	कुल प्रगति
1	ˆभ्ळ गठन	280	265
2	ˆभ्ळ पंजीकरण	280	152
3	बैंक खाता खुला	280	141
4	रिवोल्विंग फंड जारी (10000)	280	116
5	रिवोल्विंग फंड जारी उपयोग हेतु (5000)	0	0
6	ग्राम संगठन का गठन	50	20
7	ˆभ्ळ आमुखिकरण प्रशिक्षण	280	167
8	ˆभ्ळ मुखिया प्रशिक्षण	280	119
9	लेखा संधारण प्रशिक्षण	280	65
10	विजन बिल्डिंग प्रशिक्षण	0	0
11	वित्तिय साक्षरता प्रशिक्षण	280	33
12	आजिविका प्रशिक्षण	280	36
13	जेंडर प्रशिक्षण	0	0
	बुनियादी सामुदायिक कार्य	0	0
14	कुल स्वीकृत लागत	0	0
15	उपयोगिता प्रमाण–पत्र	0	0
	श्रेणी. 4 के अनुसार किया गया कार्य	0	0
16	कुल स्वीकृत लागत	0	0
17	उपयोगिता प्रमाण–पत्र	0	0
18	अन्तराल में एम.पावर द्वारा भूमि आधारित कार्यों हेतु राशि	0	0
19	श्रेणी. के अनुसार एम. पावर द्वारा स्वीकृत कार्य	0	0
20	कुल स्वीकृत लागत	0	0
	आय वर्धन व बाजार और रोजगार		
21	ˆभ्ळ आजिविका योजना बनाना	280	0
22	बी.पी.एम.यू. से अनुमोदित ˆभ्ळ आजिविका योजना	280	0
23	**खरीफ की फसल का प्रदर्शन**	125	108
24	फसल प्रदर्शन किये गये गावों की संख्या	0	26

25	भूमि (बीघा)	0	270
26	फसल प्रदर्शन से लाभान्वित परिवारों की संख्या	0	108
27	रबी की फसल प्रदर्शन किये गये गावों की संख्या	0	0
28	भूमि (बीघा)	0	0
29	फसल प्रदर्शन से लाभान्वित परिवारों की संख्या	0	0
30	पशु टीकाकरण कैम्प का आयोजन	25	11
31	पैरावेट चयन	14	10
32	युवा चयन	0	0
33	प्रशिक्षित युवा	150	105
34	सुरक्षा गार्ड	0	34
35	सिलाई	0	43
36	कम्प्यूटर	0	4
37	बिजली / मैशन	0	13
38	मोबाईल रिपेयर	0	10
39	ब्यूटी पार्लर	0	0
40	कशीदाकारी	0	0
41	लेखांकन	0	0
42	अन्य	0	1
	वित्तीय विकास		
1	कुल बचत (लाखों में)	0	1850000
2	आन्तरिक लेन–देन	0	1350000
3	ैभ्ळ द्वारा ऋण के लिये बैंक में आवेदन देना	0	0
4	ऋण हेतु बैंक द्वारा स्वीकृत आवेदन	0	0
5	स्वीकृत ऋण की मात्रा	0	0
6	वितरण ऋण की मात्रा	0	0
	परियोजना प्रबंधन		
1	ैभ्ळ बाह्य लेखा जाँच	0	123
2	साख दर्पण में पंजिकृत ैभ्ळ	0	185
3	साख दर्पण में दर्ज लेन–देन	0	1

षिक्षा कार्यक्रम

1. **नोड़ल मीटिंगः** इस मीटिंग में 55 नोड़ल अध्यापकों ने भाग लिया। यह मीटिंग ब्लॉक षिक्षा विभाग की देखरेख में हुई। मीटिंग में नामांकन, ठहराव, आरटीई–2009 के प्रावधानों को लेकर बातचीत हुई।
2. **स्टाफ मीटिंगः** प्रतिमाह की भांति जुलाई में 2 मासिक बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में इस माह की प्रगति व आगामी कार्ययोजना पर बातचीत करके सकारात्मक परिणाम लाने पर बल दिया गया। संस्था के अन्य कार्यो को प्राथमिकता से करने की बात पक्की की गई।
3. **विद्यालय विजिटः** विद्यालय विजिट के समय लगभग 2200 बच्चों की गुणवत्तापूर्ण षिक्षा पर बल दिया गया। बाल केंद्रित षिक्षा नवाचार, खेल, ठहराव, नामांकन आदि पर बातचीत की गई।
4. **सर्वे कार्यः** भेलु, सियाणा, हदा में मॉड़ल स्कूल सर्वे का कार्य किया गया। कुल 20 फॉर्म भरे गए। इस कार्य से स्कूल की वस्तु:स्थिति का पता चल सकेगा। इसके आधार पर आगामी कार्य योजना बना कर कार्य किया जाएगा।
5. **षालाप्रबंधन समिति की बैठकः** षाला प्रबंधन समिति की बैठक मे 13 लोगों ने भाग लिया। षाला को सुंदर बनाने पर बल दिया गया व लोगों की भागीदारी को भी सुनिष्चित किया गया।
6. **माँ–बेटी सम्मेलनः** दिनांक 30 जुलाई 2012 को माँ बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में सहायक ब्लॉक षिक्षा अधिकारी, षिक्षक, बालिकाओं एवं संस्था के कार्यकर्ताओं सहित कुल 88 लोगों ने भाग लिया। इसमें बालिका षिक्षा को बढ़ाने, नामांकन, ठहराव व प्रोत्साहन के प्रयासों पर बातचीत की गई।
7. **प्रचार प्रसार सामग्री कार्यषालाः** दिनांक 9 से 10 जुलाई 2012 को जयपुर में प्रचार प्रसार सामग्री कार्यषाला का आयोजन किया गया। कार्यषाला मे 57 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यषाला में बाल सुरक्षा, बाल अधिकार, बालिका षिक्षा, निःषुल्क व अनिवार्य षिक्षा कानून 2009 आदि पर जागरूक करने का कार्य किया गया।
8. **अभिभावक बैठकः** चार अभिभावक बैठकों में कुल 48 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यषाला में बाल सुरक्षा, बाल अधिकार, बालिका षिक्षा, निःषुल्क व अनिवार्य षिक्षा कानून 2009 आदि पर जागरूक करने का कार्य किया गया।
9. **किषोरी बालिका मीटिंगः** हदां में आयोजित किषोरी बैठक में बाल सुरक्षा, बाल अधिकार, बालिका षिक्षा, निःषुल्क व अनिवार्य षिक्षा कानून 2009 आदि पर जागरूक करने का कार्य किया गया। इससे बालिका षिक्षा को बल मिलेगा।
10. **बाल समूह प्रषिक्षणः** इन बैठकों में ठहराव युक्त नामांकन पर विस्तार से बात की गई।
11. **षाला प्रबंधन समिति व सी.बी.ओ. बैठकः** षाला को सुन्दर बनाने पर बल दिया तथा लोगों की भागीदारी को भी सुनिष्चित किया गया। आर.टी.ई 2009 के प्रावधानों के तहत् षाला विकास योजना बनाने की बात की गई। योजना आगामी तीन सालों के लिए बनाने की बात की। ये बैठक दियातरा, डंडकला, झझू व गंगापुरा की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में की गई।
12. **किषोर समूह प्रषिक्षणः** कुल 4 प्रषिक्षणों में 80 किषोरों ने भाग लिया। इसमें षैक्षिक सुधार को लेकर बात की गई। इसमें गंगापुरा, गडियाला,गिरिराजसर,बीठनोक आदि गांवों के किषोरो ने भाग लिया। सभी का सहयोग सकारात्मक रहा।
13. **षिक्षक व बच्चों के साथ बैठकः** कुल आयोजित चार इसमें इमामनगर, खाजूसर, गोकुल व हिराई गांव के 123 संभागी षामिल थे। इसमें षैक्षिक सुधार को लेकर बात की गई। सभी का सहयोग सकारात्मक रहा।

14. **षाला प्रबंधन समिति प्रषिक्षण**: आर.टी.ई 2009 के प्रावधानों के तहत् षाला विकास योजना आगामी तीन सालों के लिए बनाने की बात की।
15. **बालिका समृद्धि दिवस**: गर्ल्स नॉट ब्राईडस, 200 स्वयंसेवी संस्थाओं का एक विचार समूह है, जो नोबेल पुरस्कार से सम्मानित आर्चबिषप डेसमंड टूटू की अध्यक्षता में दुनिया भर में सक्रिय है। संयुक्त राष्ट महासभा ने 11 अक्टूबर का दिन अंतर्राष्टीय बालिका दिवस घोषित किया है। बाल–विवाह को एक अति महत्त्वपूर्ण और सामूहिक समस्या मानते हुए इससे पहले अंतर्राष्टीय बालिका दिवस का विषेष मुदद् बाल–विवाह का बहिष्कार रखा गया है। बाल–विवाह, बालक–बालिकाओं के लिए दुःखद वास्तविकता है और सारी दुनिया में लाखों बालक–बालिकाओं के जीवन का प्रभावित करती है। आंकडों के अनुसार पूरी दुनिया में 1 करोड बच्चों का विवाह 18 साल की आयु से पहले ही कर दिया जाता है। एक समतामूलक और बेहतर समाज की दिषा में यह समय बाल–विवाह के विरुद्ध असरकारक सामाजिक, प्रषासनिक और कानूनी कदम उठाने के लिए अति आवष्यक है।
16. **डाइट व सर्व षिक्षा अभियान के साथ बैठक**: डाईट, बीकानेर के साथ हुई बैठक में 7 एवं सर्व षिक्षा अभियान, बीकानेर के साथ आयोजित बैठक में 19 व्यक्तियों ने भाग लिया। दोनों बैठकों में आगामी समीक्षा एवं नियोजन बैठक के स्वरुप पर बात की गई तथा सभी की सहमति ली गई।
17. **एस.सी.परिवार विजिट**: माह नवम्बर 2012 में सात स्पोन्सर्ड परिवारों में विजिट के समय 49 बच्चों को षिक्षा से जोडने की बात को पुख्ता किया गया। बच्चों के माता–पिता को अनिवार्य षिक्षा कानून 2009 के बारे में विस्तार से बताया गया।
18. **षिक्षा का हक अभियान प्रस्ताव**: सर्व षिक्षा अभियान को पूरे कोलायत ब्लॉक में ''षिक्षा का हक अभियान'' के लिए प्रस्ताव, सभी तरह की औपचारिकताएं पूरी करते हुए दिया गया। षिक्षा विभाग का इसमें सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। षिक्षा विभाग ने षिक्षा का हक अभियान की कोलायत ब्लॉक की जिम्मेदारी उरमूल सीमांत समिति को 4 दिस. 12–31 मार्च 2013 तक पूर्ण करने का लक्ष्य दिया गया है।
19. **ग्राम स्तरीय पदाधिकारी बैठक**: इस बार कोलायत ब्लॉक के 2 राजकीय स्कूलों की एस.एम.सी. के सदस्यों की सूची प्राप्त करने का कार्य किया गया। इस सूची के आधार पर एस.एम.सी. के सदस्यों व प्रधानाध्यापक, वार्डपंच, सरपंच आदि के साथ आयोजित बैठक में कुल 40 लोगों ने भाग लिया। इनकी भागीदारी को भी सुनिष्चित किया जाएगा। षिक्षा कार्यक्रम में गुणवत्ता पर भी बल दिया गया।

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	नोडल बैठक	6	198
2	स्टाफ बैठक	11	45
3	स्कूल विजिट	41	2620
5	शिक्षक सम्मेलन	2	222
6	बाल मण्डल मीटिंग	11	367
7	बाल सुरक्षा व संरक्षण	6	291
8	स्पोन्सरषिप सर्वे	1	575
9	पी.ओ. कार्य	1	0
10	एसएमसी प्रस्ताव	1	192
11	एसएमसी सदस्य सूची	10	150
12	किशोरी प्रेरणा मंच बैठक	4	86
13	सी.बी.ओ. बैठक	11	198

14	प्रोत्साहन षिविर	3	113
15	मीना मंच बैठक	13	290
16	षाला प्रबंधन समिति बैठक	4	66
17	षाला प्रबंधन समिति प्रषिक्षण	3	26
18	बालिका समृद्धि दिवस	15	756
19	डाईट व सर्व षिक्षा अभियान के साथ बैठक	3	26
20	एस.सी.परिवार विजिट	7	49
21	षिक्षा का हक अभियान प्रस्ताव	1	675
22	ग्राम स्तरीय पदाधिकारी बैठक	2	40

❖ **कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्‌यालय**

पृष्ठभूमिः उरमूल सीमांत समिति, बज्जू के तत्त्वाधान में प्लान इण्डिया के सहयोग से बीकानेर जिले में सर्व षिक्षा अभियान के तहत् संचालित पांच कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण षिक्षा एवं बालिकाओं के समग्र विकास के लिये सपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत् कार्य किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्‌देष्य केजीबीवी के बेहतर संचालन में सहयोग,बालिकाओं की षैक्षिक स्थिति को बेहतर करना, बालिका अभिव्यक्ति को बढाना, षिक्षिकाओं का क्षमतावर्धन करना ताकि वह षिक्षण विधाओं पर साझा समझ बनाकर षिक्षा में गुणवता ला सकें। गुणवतापूर्ण षिक्षा के बेहतर प्रबंधन के लिये समुदाय की भागीदारी सुनिष्चित करना। इस सपोर्ट प्रोजेक्ट में संधान नामक संस्थान अकादमिक सहयोग कर रही है। इसी सपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत् माह जुलाई से सितम्बर 2012 तक के.जी.बी.वी. में निम्न कार्य एवं गतिविधियाँ की गईः

- मोटीवेषन कैम्प
- व्यक्तिगत प्रोफाईल पर काम
- बेसलाईन सर्वे (बैंचमार्क)
- बैंचमार्क षेयरिंग
- कक्षा–कक्ष की गतिविधियाँ
- सृजनात्मक गतिविधियां
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
- चेतना व प्रार्थना सत्र
- मीना मंच
- विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकें
- अभिभावक बैठक
- के.जी.बी.वी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता
- न्यूज लेटर
- टीम क्षमतावर्धन
- बाल संरक्षण कार्यषाला
- जीवन कौषल प्रषिक्षण
- समीक्षा एवं नियोजन बैठकें

1. **मोटीवेषन कैम्पः** के.जी.बी.वी.कक्कु की ओर से भादवो की ढाणी,नायकों की डेरी, पांचू में मोटीवेषन कैम्प लगाए गए। इसमें उरमूल, संधान, सर्व षिक्षा अभियान के.जी.बी.वी, प्रधानाध्यापिका, एस.एम.सी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान अभिभावकों को बालिका षिक्षा की आवष्यकता,महत्व के बारे में जानकारी दी। व षिक्षा से वंचित

बालिकाओं को कस्तूरबा से जोड़ना। जो बालिकाएं कभी स्कूल नहीं गई।जिनका घर स्कूल से 3 किमी. की दूरी पर है।उन्हें के.जी.बी.वी से जोड़ने की बात की।साथ साथ के.जी.बी.वी में मिलने वाली भौतिक, षैक्षणिक, व्यवसायिक प्रषिक्षण व सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	गतिविधि	लाभार्थी
1	16.7.12	भादवों की ढाणी	मोटीवेषन कैम्प	38
2	16.7.12	नायकों की डेरी	मोटीवेषन कैम्प	35
3	17.7.12	पांचू	मोटीवेषन कैम्प	40

2. **बेसलाईन सर्वे:** बालिकाओं के षैक्षिक स्तर को आंकने के लिये बेसलाइन सर्वे किया गया है। इस बैंसलाईन में बालिकाओं के भाषा व गणित के षैक्षिक स्तर व प्रगति का आंकलन किया गया है। इस बैंचमार्क के आधार पर बालिकाओं को षैक्षिक स्तरानुसार समूह में षिक्षण कार्य करवाया जा रहा है।

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	टीम सदस्य
1	24–25 अग.	झझू	रजनी,अंजु
2	27–29 अग.	जेतासर	अंजु
3	27–29 अग.	कक्कू	कीर्ति, रजनी
4	06–08 सित.	पूगल	रजनी
5	06–08 सित.	दामोलाई	कीर्ति,अंजू

3. **बैंचमार्क षेयरिंगः– इस माह में पांचों के.जी.बी.वी. में बैंचमार्क षेयरिंग का कार्य किया गया।**

क्र.सं.	थ्दनांक	स्थान	टीम सदस्य
1	07.9.12	पूगल	रजनी
2	07.9.12	दामोलाई	कीर्ति,अंजू
3	12.9.12	जेतासर	कीर्ति,अंजू
4	19.9.12	झझू	अंजू
5	24.9.12	कक्कू	रजनी,कीर्ति

- **चर्चा के मुख्य बिन्दु** :– स्तरानुसार समूह निर्धारण व नियोजन
  - स्तरानुसार बैठक व्यवस्था करना
  - समूह प्रदर्षन करना
  - षिक्षण व्यवस्था करना (जिम्मेदारी तय करना)
  - समय–सारणी बनाना
  - व्यक्तिगत प्रोफाईल अपडेट करना।

4. **प्रोजेक्ट वर्कः** झझू व जेतासर, कक्कू, दामोलाई मे षिक्षिकाओं और लड़कियों के साथ किचन गार्ड़न को लेकर चर्चा की चर्चा की क्यो ना हम के.जी.बी.वी.के अंदर सब्जियां उगाये। तत्पष्चात लड़कियो की एक टीम बनाई गई। टीम को अपनी क्यारियां बनाने कि जिम्मेदारी दी गई इस प्रकियां में षिक्षिकाएं भी षामिल थी।
5. **क्विज प्रतियोगिताः** क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बालिकाओं की दो टीम बनाई गई। प्रत्येक टीम से एक सवाल पूछा जाता। वह टीम जवाव दे देती तो दूसरी टीम से सवाल पूछा जाता। इस तरह सवालों का सिलसिला चलता रहा। बालिकाएं बहुत उत्साहित थी। और अपनी टीम को जिताने का प्रयास कर रही थी।
6. **षब्द अन्त्याक्षरीः** बालिकाओं के साथ षब्द अन्त्याक्षरी करवाई गई। बालिकाओं की दो टीम बनाकर प्रतियोगिता षुरू की गई। इसमें एक टीम एक षब्द बोलती दूसरी टीम षब्द के अन्त में आने वाले अक्षर से षब्द षुरू करती। इस

तरह यह प्रतियोगिता चली। दोनो टीमों ने बराबर की टक्कर ली। अन्त में दोंनो टीमों को विजेता घोषित कर तालियॉ बजाई गई।

7. **स्वास्थ्य चर्चाः** जैतासर में मौसमी बीमारियां फैलने के कारण कक्षा की बालिकाओं के साथ मुद्दा मलेरिया पर विस्तार से चर्चा की गई। मलेरिया होने के कारण, लक्षण, उपचार, रोकथाम आदि पर समझ बनाई गई। तत्पष्चात मलेरिया से सम्बन्धित गतिविधि करवाई गई।जिसका नाम था सही अक्षर जोड़ो। इस गतिविधि का उद्देष्य मलेरिया के लक्षण,रोकथाम से सम्बन्धित षब्दों से बालिकाएं परिचित हो सकें व सोचना षुरु कर सकें। बालिकाओं को निम्न षब्द दिए गए जैसेः–लेयामरि,च्छमर, आंधू, डी.टी.डी.,रोक्लोनक्वि, लीएजाफिनो, मकरीजो, नीपा, रबुखा, सीपना, नाकढ़ आदि इन षब्दों को सही क्रम में लगाने में काफी मष्क्कत करनी पडी और कहने लगी दीदी ऐसी गतिविधियां हर बार करबाया करो ताकि हमारा दिमांग सोचने हेतु मजबूर हो जाए।
8. **डेमोस्टेषनः–** षिक्षिकाओं के कहने पर कक्षा 8 में गणित में भाग व गुणा की अवधारणा पर व कण्डैन्स कोर्स की बालिकाओं के साथ हिन्दी का डेमोस्टेषन दिया गया। तथा षिक्षिका विनोद के साथ भाषा सीखाने के लिये अधिगम सामग्री का निर्माण किया गया। भाग व गुणा की अवधारणा समझाने के बाद देर रात तक बालिकाएं सवाल करने में लगीं रहीं।
9. **षिक्षण विधाओं पर कार्यः–** के.जी.बी.वी. में कंडैंस कोर्स की बालिकाओं के साथ षिक्षण विधाओं को लेकर काम किया गया। ये वो बालिकाएं है जिनमें से कईयो को तो नाम भी लिखना नहीं आता है। कण्डैंस कोर्स की 5 बालिकाओं को नाम लिखना सिखाया व उन्हीं के नामों के माध्यम से सभी बालिकाओं को एक गोल घेरे में बिठाकर धेरे के अन्दर उन्हीं के नाम से संबंधित वर्ण पहचान पर खेल खिलाकर उनको 8 से 9 वर्णो की पहचान करवाई गई।इस प्रकार खेल खेल में बालिकाओं ने अपने नाम व वर्ण सीख लिये। इसी प्रकार चार्ट व कंकरों के माध्यम से अंक पहचान तथा जोड, घटाव, गुणा, भाग पर काम किया गया। इस प्रकार आनंदायी षिक्षण से सभी बालिकाएं खुष थी।
10. **सृजनात्मक गतिविधियाँः** बालिकाओं में कल्पनाषीलता एवं रचनात्मकता का विकास हो इसी को ध्यान में रखते हुए के.जी.बी.वी. में सृजनात्मक गतिविधियाँ करवाई गई। कागज पर महेंदी मांडणा, सुनी हुई कहानी पर स्वतंत्र लेखन,अपनी पसंद के चित्र बनाना, कागज की मछली बनाई इसे गणित से जोड़ते हुए मोड के साथ–साथ त्रिभुज,वर्ग,आयत आदि आकृतियों के बारे में बताया गया व उसमें रंग भरकर साफ्टबोर्ड पर चस्पा किया गया।
11. **विष्व हाथ धुलाई दिवस कार्यक्रमः** दिनांक 15.10.12 को विष्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें पहले बालिकाओं के साथ चर्चा की गई तथा बाद में उनको डेमो देकर दिखाया गया। इसमें पहले साबुन के बिना हाथ धुलवाये गये। और उस पानी को पारदर्षी गिलास में डाल कर दिखाया गया। पानी का रंग मटमैला था। उसके बाद साबुन से हाथ धुलवाएं गए। और फिर पानी से हाथ धुलवाए गए। हाथ धुले पानी को पारदर्षी गिलास में डाल कर दिखाया गया। इस प्रकार साबुन से हाथ धोने के महत्त्व पर समझ बनाई गई।

क्र.सं.	थ्दनांक	स्थान	लाभार्थी
1	15.10.12	पूगल	90
2	15.10.12	झझू	102
3	15.10.12	जैतासर	92
4	15.10.12	दामोलाई	70
5	15.10.12	कक्कू	110
			464

12. **राजस्थान कृमि नियंत्रण कार्यक्रमः** 15.10.12 तारीख को ही राजस्थान कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत् सभी बालिकाओं को डी–वार्मिग की गोली खिलाई गई। और स्वच्छता पर चर्चा की गई। जिसमें निम्न मुद्दों पर बात की गईः

- भोजन से पहले व षौच के बाद सभी साबुन से हाथ धोए।
- खाने–पाने की चीजों को ढक कर रखे।

- डंडीवाले लोटे से पानी ले।
- खुले में षौच ना जाए।
- आस–पास सफाई रखे।
- कूडा करकड उचित स्थान पर डाले।

13. **मलेरिया जांचः** झझू में सभी बालिकाओं की मलेरिया की जांच की गई और मलेरिया के संदर्भ में चर्चा की गई। मात्र एक बालिका को मलेरिया था। जिसे उचित उपचार दिया जा रहा है। बाकी सभी की रिपोर्ट सामान्य थी। ये जांच स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई थी।
14. **स्वास्थ्य चर्चाः** के.जी.बी.वी पूगल में कक्षा 8वी की लड़कियों के साथ मलेरिया फैलने के कारण, लक्षण,व उपचार पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही तीन ग्रुपों में काम दिया गया। ग्रुप 1 को मलेरिया से सम्वन्धित सबाल दिये गए। ग्रुप 2 को मलेरिया से सम्बन्धित उल्टे सीधे अक्षर दिये गए। जिन्हें सही क्रम में लिखना था। ग्रुप 3 को चित्रों के माध्यम से मलेरिया पर समझा बना सकते है। चेतना सत्र में चित्रों के माध्यम से मलेरिया पर लड़कियों ने प्रस्तुतिकरण किया।
15. **मीना मंचः** के.जी.बी.वी में मीना मंच को लेकर बैठकों का आयोजन किया गया।

क्र.स.	स्थान	दिनांक
1	दामोलाई	15.08.12
2	कक्कू	18.08.12
3	झझू	11.08.12
4	कक्कू	08.07.12
5	पूगल	17.07.12
6	झझू	24.07.12.
7	कक्कू	28.07.12
8	झझू	03.11.12
9	दामोलाई	24.11.12
10	जैतासर	03.11.12

- चर्चा के मुख्य बिन्दुः– सुगमकर्त्ता का चयन
  - गठन की प्रक्रिया,उद्देष्य व कार्यो पर चर्चा
  - गठन किया गया
  - मीना कक्ष पर चर्चा
  - नियमित बैठक पर चर्चा
- बैठकों के प्रभावः नियमित बैठको का होना।
  - बालिकाएं स्वयं ही बैठकों का संचालन करने लगी है।
  - मीना की पुस्तकों का वाचन करने लगी है।

16. **विद्यालय प्रबंधन समिति बैठकः** गत पांच माह में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इन बैठकों मे षाला प्रबंधन समिति के सभी सदस्यो ने भाग लिया। इन बैठकों में विद्यालय की व्यवस्था संबंधी तथा बालिका नामांकन को बढाने व ठहराव के मुददों पर चर्चा की गई तथा समुदाय की भागीदारी सुनिष्चित की गई।

थ्दनांक	स्थान	टीम सदस्य	लाभार्थी
15.8.12	दामोलाई	रजनी	15
15.8.12	झझू		15

14.8.12	कक्कू	कीर्ति	15
2.10.12	कक्कू	कीर्ति	27
7.10.12	दामोलाई	रजनी,सुनील	29
15.10.12	झझू	अंजू	15

17. **अभिभावक बैठकः** दिनांक 6.11.12 को झझू में अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 23 अभिभावको ने भाग लिया। अभिभावकों को के.जी.बी.वी.की का अवलोकन करवाया गया। षिक्षिका ने के.जी.बी.वी. में मिल रही सुविधाओं से रूबरू करवाया और कहा कि यह स्कूल आप का है अतः आप यहां की व्यवस्थाओं को देखे और व्यवस्थाओं के बेहतर प्रबंधन में सहयोग करे तथा यहां पढाई के साथ–साथ अन्य कौषल जैसे सिलाई, ब्यूटीषियन, खेलकुद, स्वास्थ्य व स्वच्छता तथा व्यावहारिक बातें भी सिखाई जाती है। इन गतिविधियों से आत्मविष्वास तथा नेतृत्त्व क्षमता का विकास होता है। लडकियां पढाई के साथ–साथ अन्य गतिविधियों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने के हुनर भी सीखती है। प्रधानाध्यापिका ने खुले में षौच जाने से होने वाले नुकसान व बीमारियों पर विस्तार से चर्चा की तथा सुझाव दिया कि हम अपने–अपने घरों में षौचालय का निर्माण अवष्य करवाएं। साथ ही लड़कियों के अधिकारों व बाल विवाह से होने वाले नुकसान पर विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावको से लडकियों मे आये बदलाव पर बात की गई कि जब लडकी स्कूल आई थी तब कैसी थी और अब उसमें क्या अंतर आया है। उसकी पढाई में व्यवहार में और उसकी आदतों में क्या फर्क आया है।

18. **मां बेटी सम्मेलन में भागीदारीः**–रा.बा.उ.प्रा.वि.पांचू, केजीबीवी पूगल तथा कक्कू में मां बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें मेंहन्दी, गायन, लेखन नृत्य व जलेबी प्रतियोगिता और कुर्सी दौड का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बालिकाओं तथा माताओं के साथ पिछले सत्र में 8वीं पास कर चुकी बालिकाओं को भी सम्मिलित किया गया था। इस दौरान मां–बेटी कार्यक्रम के उद्देष्य के बारे में बताते हुए कहा कि यह एक ऐसा मंच है जहां पर मां–बेटी साथ–साथ है और उनकी अभिव्यक्ति को प्रदर्षित करने का एक साझा अवसर है। सर्व षिक्षा अभियान से पधारे संदर्भ व्यक्ति रामचन्द्रजी के.जी.बी.वी.में बालिकाओं को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। सम्मेलन कैसे मनाया गया तथा आगे इसको और कैसे बेहतर बना सकते है इस पर बालिकाओं ने अपनी लेखनी के माध्यम से विचार व्यक्त किये।

19. **टीम का क्षमतावर्धनः** परियोजना को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देष्य से टीम का क्षमतावर्धन किया गया। दिनांक 18 से 20 अक्टू. 2012 को तीन दिवसीय प्रषिक्षण का आयोजन जयपुर में किया गया। प्रषिक्षण संधान द्वारा किया गया था, जिसमें निम्न बिन्दुओं पर टीम की साझा समझ बनाई गईः

- परियोजना की आवष्यकता क्यों है।
- ऑन साईड सपोर्ट से क्या तात्पर्य है।
- गुणवत्तायुक्त षिक्षा क्या है।
- कंडेस कोर्स व समूह षिक्षण पर समझ।
- जीवन कौषल प्रषिक्षण की महत्ता।
- दस्तावेजीकरण पर समझ।
- समीक्षा एवं नियोजन।
- संधान व उरमूल की साझा प्लानिंग पर काम।

20. **जिला स्तरीय समन्वयक बैठकः** दिनांक 30 नवम्बर को सर्व षिक्षा अभियान कार्यालय, बीकानेर में जिला स्तरीय समन्वयक बैठक रखी गई जिसमें ए.डी.पी.सी जोरावर सिंह, के.जी.बी.वी. प्रभारी सुमेर सिह, राजेन्द्र माकड. संधान टीम व उरमूल टीम सहित 13 लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रषिक्षण के दौरान षिक्षिकाएं कम आईं, उस पर चर्चा की गई। सुमेर सिहं जी ने सुझाव दिया की आगामी प्रषिक्षण मई व जुलाई के प्रारम्भ मे या दीपावली अवकाष के बाद रखना ठीक रहेगा। तीन दिवसीय जीवन कौषल की समीक्षा की गई।

21. **के.जी.बी.वी स्टाफ समन्वयन बैठकः** दिनांक 19 नवम्बर 2012 को के.जी.बी.वी स्टाफ के साथ प्लान इण्डिया द्वारा एक दिवसीय समन्वयन बैठक रखी गईं। बैठक का उद्देष्य पूर्व में किये गए काम की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान काम के समय आ रही दिक्कतें, कमियां, मजबूतियों पर चर्चा की गई व राम जी ने सवाल किया कि सपोर्ट टीम के हट जाने पर कार्य प्रभावित होगाा या चलता रहेगा। इस पर टीम का जबाव था कि कार्य अच्छे से चलेगा। हम षिक्षिकाओं के साथ मिलकर काम करते है। अभी लड़कियों के साथ अभिव्यक्ति, स्वास्थ्य व स्वच्छता,

बाल अधिकारों व बाल संरक्षण पर काम करने की आवष्कता हैं। जिससे पढ़ाई के साथ–साथ लड़कियों का सम्पूर्ण विकास हो सके। आगामी नियोजन पर चर्चा की गई प्रत्येक के.जी.बी.वी. की के आवष्यकता के आधार पर नियोजन हो। इस दौरान राम जी ने निम्न सुझाव दियेः–

- ✓ टीम का बाल अधिकारों व बाल संरक्षण पर प्रषिक्षण हो।
- ✓ नए स्टाफ का आमुखीकरण हो।
- ✓ स्वास्थ्य व स्वच्छता की सामग्री, टीम को उपलब्ध करबाया जाए।
- ✓ मीना मंच की ग्रुप लीड़रों की ट्रेनिंग कर सकते हैं।
- ✓ 15 दिन के अन्दर के अन्दर स्वास्थ्य व स्वच्छता, जीवन कौषल, बाल सुरक्षा व बाल अधिकार, आत्म सुरक्षा की ट्रेनिंग के लिए संदर्भ व्यक्तियों से तुरन्त बात करें।

22. **बाल संरक्षण कार्यषालाः** 21 अक्टूबर को जेतासर में बाल संरक्षण कार्यषाला का आयोजन किया गया। कार्यषाला में भाग ले रही 93 बालिकाओं एवं 6 षिक्षिकाओं के साथ अरविन्दजी और सुनील लहरी ने पानी, पर्यावरण, स्वच्छता, चाइल्ड हेल्पलाईन 1098, राष्ट्रीय व राज्य बाल संरक्षण आयोग के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

23. **जीवन कौषल प्रषिक्षण**ः के.जी.बी.वी कक्कू, झझू, पूगल, जैतासर में जीवन कौषल कार्यषाला का आयोजन किया गया, जिसमें 6,7,8वीं कक्षा की किषोरियों व षिक्षिकाओं का प्रषिक्षण किया गया। के.जी.बी.वी. स्टाफ के साथ मीटिंग करके तय किया गया कि षिक्षिकाएं भी प्रषिक्षण मे सहयोग करने हेतू साथ मे रहेगी। प्रषिक्षण के दौरान उरमूल से कीर्ति, रजनी व अंजू ने संधान व उरमूल टीम की भूमिका प्रषिक्षक के रुप में थी।

24. **उद्देष्यः**

- ➢ बेहतर जिन्दगी जीने के लिये आवष्यक कौषलो की समझ विकसित करना।
- ➢ अभिव्यक्ति मे निखार लाना।
- ➢ नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके।
- ➢ स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सके।

मुख्य मुद्देः प्रषिक्षण के दौरान विभिन्न मुद्दों पर काम किया गया।

- ➢ मेल मिलाप
- ➢ उरमूल का परिचय
- ➢ जीवन कौषल क्या?
- ➢ मेरी पहचान
- ➢ रीति रिवाज
- ➢ रिष्ते कैसे –कैसे
- ➢ रिष्तों में टकराहट व दोस्ती
- ➢ अच्छे दोस्त के गुण
- ➢ दोस्ती में समूह दबाव
- ➢ किषोरावस्था में बदलाव, मासिक धर्म व भ्रांतियां
- ➢ संप्रेषण
- ➢ जेंडर

इन सभी मुद्दों पर प्रषिक्षण के दौरान विभिन्न विधाओं खेल,गीत, केस स्टड़ी, रोल प्ले फिल्म, ग्रुप चर्चा के माध्यम से समझ बनाई गई। किषोरियां जीवन कौषल से जुडे मुद्दों को समझ सके, अपनी बात कह सके, गलत के लिए ना कहने का कौषल आ सके, मदद देना व लेना सीखें, सही गलत का निर्णय लेने का कौषल आए। इसके साथ ही किषोरियों के साथ भित्ति पत्रिका व प्रतिवेदन पर काम किया गया ताकि किषोरियां अपनी अभिव्यक्ति चित्रों के माध्यम व लिखकर व्यक्त कर सकें।

क्र. सं	थ्दनांक	गतिविधिका नाम	स्थान	लाभार्थी
1	20 से 4 सितम्बर	जीवन कौषल प्रषिक्षण	कक्कू	46
2	27 से 29 नवम्बर	जीवन कौषल प्रषिक्षण	पूगल	65
3	27 से 29 नवम्बर	जीवन कौषल प्रषिक्षण	जैतासर	68
4	27 से 29 नवम्बर	जीवन कौषल प्रषिक्षण	झझू	52

:

25. **विजिटर्स अवलोकनः** श्री राजीव नागपाल (प्लान इंडिया जयपुर के परियोजना प्रबंधक) द्वारा सितम्बर में झझू व कक्कू के.जी.बी.वी. में अवलोकन किया गया। के.जी.बी.वी झझू की विजिट के दौरान उन्होनें बालिकाओं व षिक्षिकाओं से अकादमिक व व्यवस्थाओं के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की तथा सपोर्ट टीम द्वारा दिये जा रहे सतत सपोर्ट के बारे में षिक्षिकाओं से चर्चा की। आवष्यक सुझाव व जानकारी भी दी। कक्कू विजिट के दौरान उन्होंने जीवन कौषल के बारे में विस्तार से किषोरियों के साथ बातचीत की तथा षिक्षिकाओं के साथ व्यवस्था संबंधित बात की। दिनांक 5.10.12 को प्लान इंडिया स्वीडन से 18 लोगों की टीम ने के.जी.बी.वी.झझू की विजिट की, जिसमें प्लान इंडिया जयपुर से राजीव नागपाल, उरमूल से परियोजना निदेषक ज्ञानेन्द्र श्रीमाली, स्पोन्सर कार्यक्रम के समन्वयक लखविन्दर ने सहभागिता की। स्वीडन से पधारी टीम ने बालिकाओं व षिक्षिकाओं के साथ परिचय किया। स्वीडन से आई टीम ने एक गीत बालिकाओं को सुनाया। बालिकाओं ने विद्यालय मे होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। तत्पष्चात् बालिकाओं ने अपने सपनों के बारे में बताया।
26. **गंगानगर (घड़साना) के.जी.बी.वी.विजिटः** गंगानगर जिले के घड़साना के.जी.बी.वी. की विजिट के.जी.बी.वी. कक्कू मे की गई। इसका उददेष्य था के.जी.बी.वी. की गतिविधियों से अवगत होना। धड़साना से 50 लड़कियां, वार्ड़न, षिक्षिका, सचिव सहित कुल 60 लोग थे। उन्होने के.जी.बी.वी. का अवलोकन किया।
27. **प्रथम अन्तर्राष्टीय बालिका दिवसः** दिनांक 11.10.12 को प्रथम अन्तर्राष्टीय बालिका दिवस पर के.जी.बी.वी.में बालिकाओं के साथ निम्न मुद्‌दों पर चर्चा की गईः

- बाल अधिकार (बालिका के संदर्भ में)।
- कन्या भ्रूण हत्या
- बाल विवाह
- बाल मजदूरी
- बालिकाओं के साथ होने वाली छेडछाड

दिनांक 11 अक्टूबर को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस जयपुर में मनाया गया। इसमें के.जी.बी.वी. जैतासर की 7 बालिकाओं ने भाग लिया। इस दौरान उरमूल सीमान्त, उरमूल सेतु, सेवा मन्दिर से लगभग 100 बालिकाओं ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान कार्यक्रम की पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए अरविन्द जी ने बताया कि किस तरह हमारे समाज में बालिकाओं के साथ भेदभाव होता है। उन्हें षिक्षा से वंचित रखा जाता है। छोटी उम्र में ही उनका विवाह कर दिया जाता है और वह मां बन जाती हैं। हमें अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। इस अवसर पर महिला आयोग की अध्यक्ष लाड कुमारी ने महिला सषक्तिकरण को बल देते हुए कहा कि हमें महिला हिसां को रोकना होगा। बालिका जन्म स्तर दिन व दिन कम होता जा रहा। हमें कन्या भ्रूण हत्या को रोकना होगा। व अपनी लड़ाई हमें खुद ही लड़नी होगी। हमें हर आने बाली बेटी का सम्मान करना होगा। अन्तर्राष्ट्रीय महिला एथलेटिक्स कृष्णा पूनिया ने बालिकाओं को सदेंष दिया की महिलाएं कमजोर नहीं हैं। हमें फिजिकल एक्टिविटि से जुड़ना चाहिए। स्पोर्टस कैरियर के रूप तें मददगार सावित हो सकता है। राजस्थान पुलिस (सहायक निदेषक) कमल ने महिला पुलिस की जानकारी देते हुए कहा की हमें अपनी षक्ति को पहचानना होगा। इसी अवसर पर युनिसेफ से सुलगना जी, एस.एस.ए.से निषा जी, राज.बाल सुरक्षा आयोग की अध्यक्ष की दीपक कालरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज बालिकओं का दिन है अतः हम चाहते हैं आज बालिकाए बोलें व हम सुनें।

पानी, पर्यावरण एवं स्वच्छता कार्यक्रम

समुदाय में जल संरक्षण, जल प्रबन्धन, पर्यावरण के प्रति संवेदनषीलता एवं साफ सफाई के प्रति जागरूक करने के लिये प्लान इण्डिया के सहयोग से इस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस पाँच माह के दौरान निम्नानुसार गतिविधियां आयोजित की गईः

1- **स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्रों में वाष की स्थिति का आंकलनः** इस गतिविधि के अन्तर्गत स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर महिला, बच्चों व एस.एम.सी. के समूहों द्वारा वाष की स्थिति का आंकलन किया गया। इस दौरान कुल 30 मॉडल स्कूलों में से 15 स्कूलों व आंगनबाड़ियों में वाष की स्थिति का आंकलन किया गया। इसी के साथ स्कूल प्रषासन और एस.एम.सी. के सदस्यों के साथ वाष की गतिविधियों के लिये जरूरतों के लिये बातचीत की गई।

2- **हैन्ड वाषिंग दिवस का आयोजनः** इस गतिविधि के अन्तर्गत बच्चों के साथ हाथ धुलाई को लेकर गतिविधि की गई, जिसमें बच्चों को हाथ धोने के महत्व को बताया गया, तथा इसी के साथ पेट के कीड़ों की दवाई भी बच्चों को खिलाई गई। यह गतिविधि कुल 40 स्कूलों व 5 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में संपादित की गई, जिसमें कुल 2964 बच्चों ने भाग लिया।

3- **स्वच्छता को लेकर किषोरी प्रेरणा–मंच व बाल मंडल का क्षमतावर्धन प्रषिक्षणः** इस गतिविधि के अन्तर्गत 6 किषोरी प्रेरणा–मंच व 4 बाल–मंडल का स्वच्छता को लेकर क्षमतावर्धन प्रषिक्षण किया गया, जिसके दौरान घर की व स्वयं की स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया, ताकि वे स्वयं व अपने घरों में स्वच्छता को अपना सकें। इसके अन्तर्गत कुल 146 बच्चों ने भाग लिया।

4- **एस.एम.सी. में स्कूल अध्यापकों का स्कूल डवलपमेन्ट प्लान के लिये आमुखीकरणः** इस गतिविधि के दौरान कुल 10 स्कूलों के अध्यापकों के साथ विद्यालय विकास को लेकर बातचीत की गई। इसके अलावा एस.एम.सी. के साथ मिलकर शौचालय व पानी के स्थान तथा कचरा निस्तारण के लिये बातचीत की गई। एस.एम.सी. के साथ कुल 3 स्कूलों में बच्चों के पीने के पानी की व्यवस्था की गई।

5- **विशेष आवष्यकता वाले लोगों के लिये शौचालयों का निर्माणः** इस गतिविधि के अन्तर्गत कुल 10 लोगों को लाभान्वित करने के लिये चिन्हित किया गया। वर्तमान में 3 जगह पर शौचालय निर्माण कार्य जारी है।

6- **समुदाय स्तरीय बैठकः** इसमें कुल 15 गांवों में समुदाय स्तरीय बैठकें आयोजित की गई, जिनमें गांव के अध्यापक, बाल मण्डल, किषोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं, महिला समूहों की महिलाओं, शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों और पंचायत सदस्यों ने भाग लिया। बैठकों में आये कुल 325 लोगों को स्वच्छ जल, शुद्ध पर्यावरण के लिये अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाना, जल संरक्षण एवं प्रबन्धन, पानी से होने वाली बीमारियों से रोकथाम के घरेलू उपाय और शौचालय का उपयोग आदि विषयों पर बातचीत की गई। इन बैठकों का उददेष्य समुदाय के लोगों को पानी, पर्यावरण एवं स्वच्छता के बारे में जागरूक करना है।

7- **बालिकाओं के लिये चेन्ज रूमः** इस गतिविध के दौरान माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किषोरी बालिकाओं की महावारी के दौरान साफ–सफाई की आदतों को बढ़ानें तथा सेनेटरी नेपकिन के सुरक्षित निस्तारण को बढ़ाने तथा लड़कियों के स्कूल से ड्राप आऊट से रोकने के लिये उन्हें स्कूल में ही एक रूम उपलब्ध करवा दिया जाये, ताकि लड़कियां स्वच्छ नेपकिन का उपयोग कर सकें। जिससे कि उनमें स्वयं के मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता को बढ़ा सकें। यह गतिविधि एस.एम.सी. व संस्था के संयुक्त बजट से सम्पादित की जानी है। अतः स्कूल प्रषासन, एस.एम.सी. के साथ कुल 5 स्कूलों में बातचीत की जा चुकी है। तथा इसका कन्सेप्ट नोट कलेक्टर महोदया के साथ विचार किया जा चुका है। यह गतिविधि एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संपादित की जा रही है। ताकि भविष्य में अन्य स्कूलों में भी इसे लागू किया जा सके।

8- **संस्थागत स्टाफ का क्षमता–वर्धनः** इस गतिविधि के दौरान संस्था 50 कार्यकर्ताओं को दस्त व मलेरिया रोग के लक्षण व चिकित्सा के बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, ताकि वे कार्यक्षेत्र में जाकर लोगों को इनके बारे में जानकारी दे सकें व रोगों से बचाव कर सकें।

9- **सीसा पम्प रिपेयरः** यह एक तरह का झूला है जो कि पम्प की तरह कार्य करता है। इसकी सहायता से जमीन में बनी कुण्ड के पानी को छत के ऊपर बनी टंकी में बिना किसी मषीन या मोटर के चढ़ाया जा सकता है। जैसे–जैसे बच्चे इस झूले का उपयोग करते है उसी तरह यह झूला पानी को पम्प करता है। इसकी सहायता से बच्चों को पीने का पानी ओर शौचालय के उपयोग हेतु पानी की आवष्यकता पूरी होती है। ये पम्प कोलायत के कुल 10 गांवों हनुमाननगर, खजोड़ा, नान्दड़ा, नेणिया, बाला की गोल, थूमली, बज्जू तेजपुरा, गोविन्दसर, बेरा देदावतान एवं डण्डकला के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रयोग के तौर पर लगाये गये हैं। वर्तमान में 2 सीसा पम्प का मरम्मत कार्य जारी है।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कुल	लाभार्थी
1	स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्रों में वाष की स्थिति का आंकलन	15 स्कूल	175
2	हैन्ड वाषिंग दिवस का आयोजन	45 स्कूल	2964
3	स्वच्छता को लेकर किषोरी प्रेरणा–मंच व बाल मंडल काक्षमतावर्धन प्रषिक्षण	10 समूह	146
4	एस.एम.सी. में स्कूल अध्यापकों का स्कूल डवलपमेन्ट प्लान लिये आमुखीकरण	10 स्कूल	3 स्कूल
5	विशेष आवष्यकता वाले लोगों के लिये शौचालय का निर्माण	10 चिन्हित	3 व्यक्ति
6	समुदाय स्तरीय बैठक	15 गांव	300
7	बालिकाओं के लिये चेन्ज रूम	5 स्कूल	3 स्कूल
8	संस्थागत स्टाफ का क्षमता–वर्धन	1 सत्र	50 कार्यकर्ता
9	सीसा पम्प रिपेयर	10 पम्प आंकलन	2 पम्प रिपेयर

बाल सहभागिता

1- प्लान प्रोजेक्ट एरिया के हिसाब से ऐसे क्षेत्र जहां एक भी समूह अभी तक नहीं बना है। उन जगहों को चिन्हित कर वहां कम से कम पांच बच्चों का एक समूह बनाया गया ताकि प्रत्येक बच्चे को उसके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके।

2- पंचायत स्तरीय बैठक का आयोजन किषोर व किषोरी प्रेरणा मंच के सदस्यों केलिए किया गया। इसमें पंचायत से जुड़ें व्यक्तियों के साथ उनकी चर्चा कराई गई और उनकी समस्याओं को पंचायत के समक्ष रखा गया। बच्चों को अपनी बात रखने का मंच उपलब्ध कराया गया। यहां बच्चों ने अपनी समस्याओं के बारे में पंचायत को बिना किसी झिझक के बताया।

3- दृष्टिकोण गतिविधि (विजनिंग एक्सरसाइज) इस गतिविधि के माध्यम से यह जानने की कोषिष की गई कि बच्चे अपने गांव, स्कूल व पंचायत के बारे में क्या सोचते है। ग्राम स्तर पर बाल अधिकारों का कहां हनन हो रहा है और कहां बच्चों के अधिकारों की सराहना हो रही है। इस गतिविधि के माध्यम से गांव में बाल अधिकारों के प्रति ग्रामवासियों का क्या नजरिया है। इसके बारे में जानकारी हासिल हुई।

4- ऐसे समूह जिनकी बीते कई समय से कोई बैठक नहीं हुई, समूह से कई सदस्यों के हटने के कारण समूह की स्थिति ठीक नहीं रही। ऐसे समूहों के साथ क्षमतावर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से निर्जीव हुए समूहों को एक बार फिर से सजीव किया गया।

5- प्लान क्षेत्र में आने वाले विभिन्न स्कूलों में बाल अधिकार प्रषिक्षण रखा गया इस एक दिवसीय प्रषिक्षण में बच्चों को खेल–खेल में उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

6- गांव में व्याप्त समस्या और सुधार पर बच्चों का क्या नजरिया है इस विषय पर गतिविधि का आयोजन किया गया। बच्चों को अलग–अलग विषय देकर उनसे लेख लिखाए गए। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की लेखन

शक्ति को बढ़ावा दिया गया और उनकी सोच अपने गांव में हो रहे सुधार को लेकर क्या है इस बारे में भी जाना गया। साथ ही समस्याओं पर किस प्रकार कार्य किया जाए इस पर भी चर्चा हुई।

7- नेतृत्व करने की क्षमता को बढ़ावा देने और जीवन को किस प्रकार आनन्ददायी बनाया जाए इस विषय पर गतिविधि आयोजित कि गई। इसमें बच्चों को सिखाया गया कि वह अपने समूह को किस प्रकार आगे ले जाए और अपने बाद नए पदाधिकारी का चयन किस प्रकार करें इस प्रक्रिया को समझाया गया।

8- गांव में स्थित ऐसे लोग जो बच्चों से सीधे संपर्क में रहते है। जैसे– आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आषा, एएनएम, अध्यापक के साथ बाल अधिकारों को लेकर चर्चा।

9- पंचायत, गांव के गणमान्य व्यक्ति और अध्यापकों के साथ गांव में बाल अधिकारों की स्थिति का मूल्यांकन कर उन पर कार्य करना। साथ ही पंचायत को बाल अधिकारों के प्रति सजग करना।

10- आंतर भारती ट्रस्ट और राष्ट्रीय युवा योजना के तत्वाधान में बीकानेर के धरणीधर मैदान में 13वें अन्तर्राष्ट्रीय बाल आनन्द महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता व राष्ट्रीय युवा योजना के निदेषक डॉक्टर एस.एन.सुब्बा राव की अगुवाई में महोत्सव प्रारम्भ हुआ। बाल आनन्द महोत्सव में 16 राज्यों व पड़ौसी देष नेपाल के बच्चों ने हिस्सा लिया। इसमें भाई जी ने दूसरे राज्यों व नेपाल से आए बच्चों को बीकानेर के बच्चों के घर पर अतिथि के तौर पर 7 दिन के लिए भेजा। प्रेरक गीत, सांस्कृतिक गतिविधियों से बच्चों के मन में एक उत्साह पैदा किया गया। साथ ही देष प्रेम की भावना को भी जागृत किया। उरमूल सीमान्त की टीम ने बच्चों के मन को भी जागृत किया। संस्था द्वारा बच्चों के मनोरंजन के लिए कठपुतली के शो का आयोजन किया गया, जिसे बच्चों ने खूब पसंद किया।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	किशोरी प्रेरणा मंच व किषोर मंच समूह का क्षमतावर्धन	21	741
2	बाल अधिकार कार्यषाला	8	597
3	बाल सुरक्षा नीति पर कार्यकर्ता प्रषिक्षण	1	52
4	ग्राम पंचायत व सरकारी कार्मिकों के साथ बाल अधिकार पर बैठक	4	69
5	किशोरी प्रेरणा मंच व किषोर मंच के साथ ग्राम स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता के लिए निगरानी प्रक्रिया के सूचकांक तैयार करवाना	3	218
6	निगरानी प्रक्रिया के सूचकांक के आधार पर बाल सुरक्षा के मुद्दों की खोज करना	6	304
7	खोजे हुए मुद्दों पर पंचायत स्तरीय बैठक ड्यूटी बियरर व बच्चों के साथ	2	40
8	कार्य क्षेत्र में अपने कार्य को सुगम बनाने के लिए पंचायत स्तरीय बैठक	1	44
9	किशोरी व किषोर मंच के पदाधिकारियों का पंचायत स्तर पर महासंघ बनाना	3	100
10	बच्चे अपने समूह को कहां देखते हैं उनका समूह को लेकर क्या दृष्टिकोण है।	5	126
11	नए समूहों का गठन	15	156
12	नाट्य कार्यषाला	1	16
13	नेतृत्व विकास प्रषिक्षण	3	83
14	कार्यकर्ताओं का बाल सुरक्षा के मुद्दे पर अवलोकन भ्रमण, दिल्ली व धौलपुर	2	55
15	ब्लॉक स्तरीय बाल सुरक्षा कार्यषाला	2	65

बाल सुरक्षा

1- किशोर व किषोरी प्रेरणा मंच के साथ बाल विवाह, बाल मजदूरी, बालिका षिक्षा आदि मुद्दो पर चर्चा की गई। इसके माध्यम से बच्चों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

2- माता–पिता व समुदाय आधारित संस्था के साथ मिलकर बच्चों के लिए निर्भय वातावरण पर चर्चा की गई, साथ ही बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानून के बारे में बताया गया और बाल–विवाह से होने वाली हानि व बालिका षिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

3- ग्राम स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों जैसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ए.एन.एम., आषा, अध्यापक के साथ बैठक कर बाल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

4- ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति गठन, इसके द्वारा ग्राम स्तर पर बच्चों की पूर्ण सुरक्षा और उनके अधिकारों पर ध्यान दिया जा सके, ताकि किसी भी बच्चे की सुरक्षा व अधिकारों से समझौता न हो।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	केपीएम, केएम के साथ बैठक	12	332
2	माता–पिता व समुदाय आधारित संगठनों के साथ बैठक	13	288
3	आं.बा. कार्यकर्ता, एएनएम, आषा, अध्यापक के साथ बैठक	5	84
4	ग्राम स्तर बाल सुरक्षा समिति का गठन	9	104

❖ चाइल्ड हेल्पलाइन 1098:

1. **चाइल्ड लाइन से दोस्ती अभियान–** चाइल्ड लाइन दोस्ती अभियान में स्कूलों में सत्र रखा गया, जिसमें बच्चो व उनके परिजनों को 1098 व बाल अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई।
2. **चाइल्ड लाइन जागरूकता को लेकर स्कूल बैठक–** इन बैठकों में किषोर मंच व किषोरी प्रेरणा मंच तथा स्पोन्सर्ड परिवारों के बच्चों ने भाग लिया। इस बैठक में षिक्षा का अधिकार, 1098 और बाल अधिकार की जानकारी दी गई।
3. **महिला समूह बैठक–** इन बैठकों में महिला समूहों का रिकोर्ड सही करने तथा उनको सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।
4. **ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक–** इन बैठकों में ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, बच्चों व उनके अभिभावकों को 1098, बाल अधिकार व सूचना का अधिकार आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।
5. **किशोर मंच व किषोरी प्रेरणा मंच के साथ बैठक–** इन बैठकों में बच्चों से संबन्धित मुद्दों पर चर्चा की गई व बच्चों से जाना गया कि इनका निस्तारण कैसे हो सकता है।
6. **संबन्धित विभागों के साथ बैठक–** इन बैठकों में बच्चों से संबन्धित समस्याओं को उनसे संबन्धित (बाल कल्याण समिति) विभागों के सामने रखा गया।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	चाइल्ड लाइन जागरूकता को लेकर स्कूल बैठक	15	690
2	महिला समूह बैठक	5	70
3	ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक	2	20
4	किशोर मंच व किषोरी प्रेरणा मंच के साथ बैठक	19	295
5	संबन्धित विभागों के साथ बैठक	5	54
6	चाइल्ड लाइन से दोस्ती अभियान	2	600

1. **षोषण से सुरक्षा** –इन केसों में 19 बच्चों को काम से छुड़वाकर उनके घर वालों को समझाया गया, व उन्हें बताया गया कि आप इन बच्चों को स्कूल से जोड़ें व बाल मजदूरी न करवाऐं, इसके लिये पाबंद किया गया।

2. **गुमशुदा बच्चेः** इन केसों में 2 गुमषुदा बच्चों को उसके घर का पता लगाकर उनके घर वालों के सुपुर्द किया गया।
3. **स्पोन्सरषिप–** इस केस में 1 बच्चे को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया।
4. **मेडिकल हैल्प–** इन केसों में 3 बच्चों की मेडिकल सहायता की गई।

महिला एवं बाल विकास परियोजना, कोलायत

- **गरम पूरक पोषाहारः** परियोजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 181 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 3 से 6 साल तक के बच्चों को गरम पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाया जा रहा है। गरम पूरक पोषाहार में सप्ताह में तीन दिन खिचड़ी एवं तीन दिन मीठा दलिया बच्चों को दिया जाता है। स्वयं सहायता समूह को पोषाहार बनाने के लिए प्रति लाभार्थी प्रतिदिन 3.31 रूपये का भुगतान विभाग द्वारा किया जाता है।
- **लाभार्थियों का विवरणः**

माह	बेबी मिक्स पोषाहार						गरम पोषाहार			
	गर्भवती/धात्री		किशोरी बालिका		6–36 माह के बच्चे		37–72 माह के बच्चे		योग	
	पंजीकृत	पो. प्राप्त	पंजीकृत	पो. प्राप्त	पंजीकृत	पो. प्राप्त	पंजीकृत	पो. प्राप्त	पंजीकृत	पो. प्राप्त
अप्रेल 12	4871	3393	8056	4002	11394	7236	7346	2885	31667	17516
मई 12	4992	3816	8056	3304	11558	7496	7316	3141	31922	17757
जून 12	5051	3916	8256	3108	11608	7864	7387	3203	32302	18091
जुलाई 12	5119	4237	8464	6791	11754	8787	7396	3185	32733	23000
अग. 12	5151	4231	8486	6990	11973	9342	7290	3020	32900	23583
सित. 12	5153	3855	8513	5897	11896	6924	7327	3104	32889	19780
अक्टू. 12	5181	4000	8536	6535	11955	7918	7436	2784	33108	21237
नव. 12	5264	3416	8507	5262	12204	6065	7256	2373	33231	17116
दिस. 12	5244	3968	8044	5570	11895	6479	7229	2558	32412	18575
जन. 13	5280	3862	8464	4427	12109	6421	6898	2806	32751	17516
फर. 13	5254	3933	8479	4316	12104	5913	6906	2930	32743	17092
मार्च 13	5287	4111	8680	6144	12135	7570	6893	3050	32995	20875
योग	**61847**	**46738**	**100541**	**62346**	**142585**	**88015**	**86680**	**35039**	**391653**	**232138**

- **0 से 5 वर्ष तक के बच्चों की वजन निगरानीः**

माह	सामान्य	कुपोषित	अतिकुपोषित	योग
अप्रेल 12	14591	979	144	15714
मई 12	14595	1014	141	15750
जून 12	14737	1028	135	15900
जुलाई 12	14672	1046	141	15859
अगस्त 12	15677	1601	183	17461
सितम्बर 12	16265	1702	194	18161
अक्टूबर 12	15807	1689	194	17690
नवम्बर 12	15679	1657	201	17537
दिसम्बर 12	15166	1630	198	16994

जनवरी 13	15212	1619	207	17038
फरवरी 13	15707	1517	200	17424
मार्च 13	15944	1494	198	17636
योग	**184052**	**16976**	**2136**	**203164**

- **टीकाकरण:**

माह का नाम	ज्ज 1	ज्ज 2	ठब्ळ	डमेंसे	क्च्ज 1	क्च्ज 2	क्च्ज 3	च्वसपव 1	च्वसपव 2	च्वसपव 3
अप्रेल 12	288	316	229	289	367	330	300	367	330	300
मई 12	284	395	265	345	389	367	397	389	367	397
जून 12	304	388	269	345	384	359	328	384	359	328
जुलाई 12	305	377	192	292	402	371	327	402	371	327
अगस्त 12	248	348	173	266	377	376	306	377	376	306
सितम्बर 12	321	368	376	366	409	376	318	409	376	318
अक्टूबर 12	246	361	234	342	375	368	311	375	368	311
नवम्बर 12	215	280	199	286	358	308	289	358	308	289
दिसम्बर 12	258	302	168	2400	377	355	275	377	355	275
जनवरी 13	292	359	318	387	467	395	350	467	395	350
फरवरी 13	313	389	320	414	475	441	396	475	441	396
मार्च 13	454	448	452	343	520	418	384	520	418	384
योग	3528	4331	3195	6075	4900	4464	3981	4900	4464	3981

- **जननी कलेवा योजना:** कोलायत परियोजना की समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर महिला समूह द्वारा जननी कलेवा योजनान्तर्गत पोषाहार बनाकर प्रसूताओं को दिया जा रहा हैं। विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भी पोषहर प्रसूताओं को भोजन देने के निर्देष प्राप्त हुए है। जिसके तहत गडियाला प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भी पोषाहार बनाया जा रहा हैं।

क्र. सं.	स्वास्थ्य केन्द्र का नाम	अप्रेल 12	मई 12	जून 12	जुलाई 12	अगस्त 12	सितंबर 12	अक्टूबर 12	नवंबर 12	दिसंबर 12	जनवरी 13	फरवरी 13	मार्च 13	योग
1	श्रीकोलायत	47	61	66	58	60	54	47	44	43	35	34	38	587
3	बज्जू	14	17	38	36	42	38	46	35	36	20	34	31	387
4	गजनेर	17	20	16	20	25	14	18	18	8	22	10	22	210
5	गडियाला	13	28	29	40	40	52	43	34	29	42	22	38	410
6	बीकमपुर	4	11	12	17	11	21	17	10	19	12	12	9	155
योग		**95**	**137**	**161**	**171**	**178**	**179**	**171**	**141**	**135**	**131**	**112**	**138**	**1749**

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (ईसीसीडी)

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	दो दिव. प्रषिक्षण ई.सी.सी.सी.डी., हैल्थ, आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता	1	17
2	तीन दिवसीय प्रषिक्षण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आषा	1	33
3	संयुक्त बैठक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आषा	3	78
5	एक दिवसीय मदर केयर कमेटी	5	61
6	किषोरी बालिका बैठक	1	37
7	सखी–सहेली दो दिवसीय प्रषिक्षण	6	289
8	पंचायत स्तरीय आषा, कार्यकर्ता, साथिन संयुक्त बैठक	1	31
9	स्वयं सहायता समूह बैठक	1	13
10	ग्राम स्तरीय कमेटी	2	69

स्वास्थ्य कार्यक्रम

❖ **स्वास्थ्य कार्यक्रम**

परियोजना का लक्ष्यः परियोजना का लक्ष्य कार्यक्षेत्र के लोगों में स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करना व समुदाय की महिलाओं, किषोरी बालिकाओं, किषोर आदि सदस्यों को स्वास्थ्य सम्बन्धी सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है।

अध्ययनः

1. जननी षिषु सुरक्षा योजना, इसके उपयोग/गैर उपयोग निर्धारकों को लागू करने की प्रक्रिया और प्रभाव मूल्यांकन पर विषेष ध्यान देने के साथ–साथ, प्रसव के दौरान और बाद में स्वास्थ्य देखभाल से पहले गर्भवती महिलाओं के लिए उपलब्ध सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता का आंकलन व अध्ययन किया गया।

2. कोलायत ब्लॉक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर काम के बोझ का आंकलन व आईसीडीएस केन्द्रों में वितरित की गई खेल सामग्री की उपयोगिता पर एक अध्ययन किया गया।

   उपरोक्त दोनो अध्ययन अगस्त व सितम्बर माह के दौरान जै डनउइंप के छात्रों द्वारा पूर्ण किये गये।

1. **गर्भवती महिला के जोखिम चिन्ह पहचानने हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठकें–** इस गतिविधि के दौरान कुल 4 गांवों में गर्भवती महिला के जोखिम चिन्ह पहचानने हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया।
2. **सरकारी योजनाओं की जानकारी देना–** इस गतिविधि के अन्तर्गत सरकारी योजनाओं जैसे – जे.एस.वाई., 108 एम्बुलेंस सुविधा आदि की चर्चा माताओं व केयरगिवर बैठकों में की गई। और समुदाय के 9 गांवों के 160 लाभार्थियों ने इन योजनाओं के बारे में जाना।
3. **षिषु स्तनपान व चाइल्ड केयर की आदतों को बढ़ावा देने हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठके–** इस गतिविधि के दौरान कुल 8 गांवों में षिषु स्तनपान की सही आदतों को बढ़ावा

देने व चाइल्ड केयर हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया।

4 **दूर–दराज की ढ़ाणियों में टीकाकरण हेतु सहयोग**– इस गतिविधि के दौरान दूर–दराज के गांवों की ढ़ाणियों में जहाँ साधन की उपलब्धता नहीं है, ऐसे 3 गावों में महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण हेतु जी.एन.एम. को वाहन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

5- संस्थागत स्टाफ का क्षमतावर्द्धन– इस गतिविधि के दौरान संस्था 50 कार्यकर्ताओं को जन्म पूर्व तैयारी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, ताकि वे कार्यक्षेत्र में लोगों को इनके बारे में जानकारी दे सकें।

6- ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति का क्षमतावर्धन प्रषिक्षण– दो दिवसीय प्रषिक्षण गड़ियाला में आयोजित किया गया, जिसमें गड़ियाला, गोविन्दसर, हिराई व ग्रांधी गांव की समितियों ने भाग लिया। प्रषिक्षण के अन्त में सभी समितियों ने अपने गावं का एक्सन प्लान तैयार किया।

7- मलेरिया नियंत्रण हेतु गतिविधियां– पंचपीठ की ढ़ाणी तथा डंडकला गांवों में कुल 125 रोगियों की जाँच की गई, जिसमें 7 पी.वी. पोजिटिव पंचपीठ में तथा 7 पी.वी. पोजिटिव व 3 पी.एफ. पोजिटिव डंडकला गांव में पाये गये। जहाँ इन रोगियों को तुरन्त ईलाज उपलब्ध करवाया गया तथा बाद में इनका फोलोअप भी किया गया। जिसमें सभी स्वस्थ पाये गये, और सभी ने समय पर दवा की खुराक ली है।

8- इमरजेन्सी में रैफरल सुविधा– मियांकौर गांव के डेढ़ वर्ष के बच्चे को जिसने कि कैरोसीन पी लिया था, तुरन्त वाहन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई, तथा कोलायत सी.एच.सी. में उसका ईलाज करवाया गाय। वर्तमान में वह बच्चा पूर्णतया स्वस्थ है।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कुल	लाभार्थी
1	गर्भवती महिला के जोखिम चिन्ह पहचानने हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठकें	4 बैठक	60
2	सरकारी योजनाओं की जानकारी देना	9 गांव	160
3	षिषु स्तनपान व चाइल्ड केयर की आदतों को बढ़ावा देने हेतु स्वयं सहायता समूह, माताओं व केयरगिवर के साथ ग्राम स्तरीय बैठके	8 गांव	110
4	दूर–दराज की ढ़ाणियों में टीकाकरण हेतु सहयोग	3 गांव	3 गांव
5	संस्थागत स्टाफ का क्षमता–वर्धन	50 कार्यकर्ता	50 कार्यकर्ता
6	ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति का क्षमतावर्धन प्रषिक्षण	4 समितियां	30 संभागी
7	मलेरिया नियंत्रण हेतु गतिविधियां	10 गांव	125
8	इमरजेन्सी में रैफरल सुविधा	1 केस	1

❖ दृष्टि परियोजना

1. **विजन सेंटर**ः विजन सेंटर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोलायत में सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को खुलता था लेकिन एक फरवरी 2012 से मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार व शनिवार को खुलना तय किया गया है। 1 फरवरी 2012 के बाद विजन सेंटर प्रातः 10 बजे से शाय 5 बजे तक खुला रहता है। विजन सेंटर पर नेत्र सहायक द्वारा नेत्रों की जांच अनेक उपकरणों द्वारा की जाती है। जांच उपरान्त मोतियाबिन्द वाले मरीज को ऑपरेषन हेतु नोखा रेफर किया जाता है। दूरदृष्टि दोष और नजदीक दृष्टि दोष वाले मरीजों को चष्मे के नम्बर

दिये जाते है। आंखों सम्बन्धी अन्य समस्यायें जैसे आंखों से पानी गिरना, आंखें लाल रहना, आंखों में सूजन आना इत्यादि हेतु उचित परामर्ष दिया जाता है।

2. **नेत्र जांच षिविर**: दृष्टि परियोजना के अन्तर्गत गांवों में आंखों की समस्याओं के समाधान हेतु आंख जांच षिविर लगाये जाते है। षिविर में नेत्र सहायक आंखों की जांच करते हैं। जांच के उपरांत मोतियाबिन्द वाले मरीजों को ऑपरेषन हेतु नोखा रेफर किया जाता है। दूर दृष्टिदोष और नजदीक दृष्टिदोष वाले मरीजों को चष्मे के नम्बर दिये जाते है। आंखों सम्बन्धी अन्य समस्यायें जैसे आखों से पानी गिरना, आंखे लाल रहना, आंखो में सूजन आना इत्यादि हेतु उचित परामर्ष दिया जाता है।
3. **मोतियाबिन्द ऑपरेषन**: नेत्र जांच षिविर, विजन सेंटर एवं फील्ड सुपरवाईजरो द्वारा रेफर लोगों का मोतियाबिन्द ऑपरेषन व लैंस प्रत्यारोपण नेत्र ज्योति अस्पताल, नोखा में हुआ। ऑपरेषन के बाद में फील्ड सुपरवाईजरों व नेत्र सहायक द्वारा मरीज के घर विजिट की जाती है तथा उचित परामर्ष दिया जाता है।
4. **आंगनवाडी कार्यकर्ता, एएनएम, आषा प्रषिक्षण**: दृष्टि परियोजना के अन्तर्गत गांवों में आंगनबाडी कार्यकर्ता, एएनएम, आषा इत्यादि को नेत्र सम्बन्धी समस्याओं को पहचानने हेतु प्रषिक्षण दिया गया ताकि गांव के किसी व्यक्ति को नेत्र सम्बन्धी समस्या होने पर आंगनबाडी कार्यकर्ता, एएनएम, आषा आदि उचित सलाह दे सके। इस प्रषिक्षण में विकलांगों को मिलने वाली पुनर्वास सुविधाओं और समेकित षिक्षा के बारे में भी जानकारी दी गई।
5. **पेंषन**: इस योजना के अन्तर्गत विकलांग, वृद्धजनों एवं विधवाओं को जीवन यापन के लिये राज्य सरकार द्वारा 500 रूपये मासिक पेंषन दी जाती है।
6. **बस पास**: इस योजना का लाभ उन विकलांगों को मिलता हैं जिनका 40 प्रतिषत से अधिक का विकलांगता चिकित्सा प्रमाण पत्र बना हुआ हो।
7. **रेल पास**: इस योजना का लाभ उन विकलांगों को मिलता हैं जिनका 40 प्रतिषत से अधिक का विकलांगता चिकित्सा प्रमाण पत्र बना हुआ हो।
8. **चिकित्सा प्रमाण पत्र**: इसके अन्तर्गत विकलांग व्यक्तियों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल द्वारा विकलांग व्यक्तियों की विकलांगता की जांच कर विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।
9. **विष्वास योजना**: इस योजना के अन्तर्गत विकलांग व्यक्ति को आजीविका हेतु राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा 1 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिसका 30 प्रतिषत अनुदान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिया जाता हैं इस योजना के तहत सात लोगों के आवेदन किये।
10. **ट्राई साईकिल वितरण**: भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के ए.डी.प. योजना के तहत् दिनांक 16 जुलाई 2012 को कोलायत में 3 महिला व 21 पुरूष विकलांगों को ट्राई साईकिलो का वितरण किया गया।
11. **सहायक उपकरण**: सर्व षि़क्षा अभियान की तरफ से विषेष आवष्यकता वाले बच्चों के कैंम्प में दिनांक 19 जुलाई 2012 को बीकानेर में विकलांगों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।
12. **समेकित षिक्षा**: समेकित षिक्षा के अन्तर्गत दृष्टिहीन तथा अल्पदृष्टि बच्चों की षिक्षा हेतु भ्रमणषील अध्यापक विजिट करते हैं तथा बच्चो को पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आवेदन किये जाते है।
13. **षौचालय निर्माण**: प्लान परियोजना के तहत तीन निःषक्त लोगों के लिये षौचालय निर्माण करवाया गया।
14. **एस्कॉर्ट एवं परिवहन भत्ता**: सर्व षि़क्षा अभियान की तरफ से विषेष आवष्यकता वाले बच्चों के एस्कॉर्ट एवं परिवहन भत्ता दिलवाया गया।
15. **स्कूल स्क्रीनिंग**: फील्ड सुपरवाइजरों व नेत्र सहायक द्वारा विद्यालयों में आंखों की जांच की गई और उचित परामर्ष दिया गया।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	लाभार्थी
1	विजन सेंटर	285

2	नेत्र जांच षिविर	721
3	मोतियाबिन्द ऑपरेषन	301
4	आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, एएनएम, आषा प्रषिक्षण	472
5	पेन्षन	198
6	बस पास	125
7	रेल पास	89
8	चिकित्सा प्रमाण पत्र	139
9	विश्वास योजना आवेदन	19
10	ट्राईसाईकिल वितरण	62
11	सहायक उपकरण	16
12	समेकित षिक्षा	34
13	व्यक्तिगत षिक्षण विकास आयोजन	68
14	शौचालय निर्माण	21
15	एस्कॉट एवं परिवहन भत्ता	64
16	स्कूल स्क्रीनिंग	793

❖ आपदा प्रबन्धन

1. **सी. बी.ओ. के साथ बैठके:** समुदाय में जितने भी समुदाय आधारित संगठन है उनको आपदा के बारे में जानकारी देना व उनके अनुभवों के बारे में बातचीत करना। यह गतिविधि तीन गांवों के 57 लाभार्थियों के साथ हुई।
2. **बाल समूहों का प्रषिक्षण:** किषोरी प्रेरणा मंचों, बालमण्डल, सबला समूहों, किषोर मंचों व मीना मंचों के साथ आपदा प्रबंधन के विषय पर प्रषिक्षण आयोजित किये गये, जिनमें 8 गांवों के 217 लाभार्थियों ने भाग लिया। इन प्रषिक्षणों में बच्चों को बताया गया कि हमारे आस–पास रोज कौन कौनसी आपदा होने के खतरे हैं तथा उनसे हम कैसे बच सकते हैं तथा दूसरों को कैसे बचा सकते है।
3. **स्वयं सहायता समूहों के साथ प्रषिक्षण:** महिला समूहों की महिलाओं के साथ आपदा प्रबंधन विषय पर प्रषिक्षण आयोजित किये गये जिसमें महिलाओं को यह जानकारी दी गई की घर में कहां कहां हमें इस बात का ध्यान रखना है कि बच्चे किसी आपदा का षिकार न हो जाये। इसके लिए दैनिक जीवन के उदाहरणों पर अधिक चर्चा हुई जैसे चुल्हे की आग, पानी के कुण्ड, पशुओं से बचाव, जहरीले पदार्थ आदि।
4. **बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए भवन निर्माण व मरम्मत का कार्य:** 15 व 16 अगस्त 2012 को कोलायत ब्लॉक में हुई अधिक वर्षा से अतिवृष्टि की स्थिति पैदा हो गई थी जिसमें संस्था ने तत्काल सहायता का काम किया। प्रषासन व ग्राम पंचायत के साथ मिलकर जरूरतमंदों को सहायता पहुंचाने का काम किया। उसके बाद प्लान को एक प्रस्ताव भेजा गया जिसमें जिन परिवारों के मकान गिर गये थे, उनके लिए पक्के मकान बनाने व मरम्मत आदि के लिये धनराषि कीमांग की गई। प्लान ने सहायता राषि स्वीकृत कर दी जिससे हमने 5 गांवों के 44 लाभार्थियों को नये मकान बनाने व मरम्मत में मदद की।
5. **बाला की गोल में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य: दिनांक** 15 व 16 अगस्त 2012 को बाला की गोल में हुई अधिक वर्षा से पुराने आंगनबाड़ी केन्द्र को नुकसान पहुंचा। उसमें आंगनबाड़ी केन्द्र चलाने की स्थिति नहीं थी।

इसके लिए भी प्लान को प्रस्ताव भेजा गया जिसे उन्होंने उसे स्वीकृत कर दिया। अब बाला की गोल गांव में नवनिर्मित भवन बन कर तैयार है तथा बच्चे व महिलाएं नये आंगनबाड़ी केन्द्र में आते है।

6. **आपातकालीन सहायता दल का गठनः** सभी गांवों में यदि आपातकालीन सहायता दल का गठन होता है तो आपदा के समय गांव के लोग स्वयं जल्द से जल्द प्रभावित लोगों की मदद कर सकते है। इसी उद्देष्य को लेकर कुल 13 गांवों में 215 सदस्य को इस दल से जोड़ा गया।
7. **षिक्षा से वंचित बच्चों के साथ बैठकें:** 7 गांवों में 150 बच्चों के साथ बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में संस्था का स्टाफ, समन्वयक और गांव में संचालित संगठन के सदस्य मिलकर षिक्षा से वंचित बच्चों के लिए बैठकें आयोजित करें जिसमें बच्चे भी सम्मिलित हो ताकि स्कूल, घर व समुदाय में जो भवन है उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा उनसे क्या रिस्क हो सकती है, इस विषय पर बातचीत की गई।
8. **स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ बैठकः** स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ बैठकें की गई। स्कूल भवन में किस प्रकार रिस्क हो सकती है जिससे दुर्घटना होने का डर है तथा उससे बचने के क्या क्या उपाय हो सकते है, इस विषय पर बातचीत हुई। इस गतिविधि के तहत 12 गांवों के 485 बच्चों ने भाग लिया।
9. **स्कूल व आंगनबाड़ी भवन में आपदा को चिन्हित करनाः** उपरोक्त गतिविधियों के आधार पर स्कूल व आंगनबाड़ी भवनों की पहचान हुई और दो आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मरम्मत का काम किया गया।
10. **समुदाय के साथ बैठकेः** आपदा विषय पर सभी लोगों में जानकारी हो तथा लोगों में जागरूकता आये, इसके लिए सभी वर्गों को इस गतिविधि में सम्मिलित किया। जैसे बाल समूह, सी.बी.ओ., स्कूल, आंगनबाड़ी आदि। उसके अलावा समुदाय के अन्य लोगों के साथ भी बातचीत की जिसमें 5 गांवों में 176 लाभार्थी आये।
11. **आपदा पर स्टाफ के साथ टी.ओ.टी.:** संस्था के स्टाफ को आपदा विषय पर समझ बनाने के लिए एक दिन का प्रषिक्षण दिया गया। जिसमें आग, अकाल, गर्मी, सर्दी, लू, प्राथमिक उपचार, सूखा, बाढ़, भूकम्प, मानसून पूर्व तैयारी, बम विस्फोट तथा आपदा प्रबंधन के समय क्या करे व क्या न करें आदि विषयों पर जानकारी दी गई। इसके लिए आपदा प्रबंधन केन्द्र ह.च.मा. राजस्थान राज्य लोक प्रषासन संस्थान से प्रकाषित सामग्री का उपयोग किया गया। बीकानेर जिले की आपदा प्रबंधन योजना की वर्ष 2011–2012 की रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। इस प्रषिक्षण में हमारे आसपास के रोजमर्रा के उदाहरणों का अधिक उपयोग किया गया ताकि हम बच्चों के साथ प्रषिक्षण करते समय उनका उपयोग कर सके।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	लाभार्थी
1	सी. बी.ओ. के साथ बैठके	57
2	बाल समूहों का प्रषिक्षण	217
3	स्वयं सहायता समूहों के साथ प्रषिक्षण	226
4	बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए भवन निर्माण व मरम्मत का कार्य	44
5	आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य	1
6	आपातकालीन सहायता दल का गठन	215
7	षिक्षा से वंचित बच्चों के साथ बैठकें	150
8	स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ बैठक	485
9	स्कूल व आंगनबाड़ी भवन में आपदा को चिन्हित करना	2
10	समुदाय के साथ बैठकें	176

11	आपदा पर स्टाफ के साथ टी.ओ.टी.	50

❖ स्पोन्सरषिप कार्यक्रम

अप्रेल 2012			
कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	249	226	23
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	37	37	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	37	37	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	8	8	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	3	3	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
कुल	334	311	23
मई 2012			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	60	52	8
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	21	21	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	54	54	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	2	2	0
कुल	137	129	8
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	99		
जून 2012			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	790	764	26
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	23	23	0
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडेक्शन	67	66	1
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
कुल	883	856	27
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	82		
जुलाई 2012			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	894	851	43
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	76	71	5
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	33	33	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	5	5	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	0	0	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
कुल	1008	960	48
अगस्त 2012			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	344	314	30
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	35	34	1
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	1	1	0

स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	5	5	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	17	17	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	12	12	0
कुल	414	383	31
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	20		
सितम्बर 2012			
कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	118	105	13
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	26	26	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	30	30	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	89	89	0
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडेक्शन	36	36	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	1	1	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
कुल	300	287	13
अक्टूबर 2012			
कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	192	179	13
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	52	51	1
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	53	51	2
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	5	5	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	0	0	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	3	3	0
कुल	305	289	16
नवम्बर 2012			
कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	30	29	1
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	24	24	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	7	7	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	5	5	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	18	18	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
कुल	87	86	1

निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	37		
दिसम्बर 2012			
कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	60	53	7
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	58	58	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	0	0	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	28	28	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	5	5	0
कुल	151	144	7
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	23		
जनवरी 2013			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	166	150	16
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	32	32	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	34	34	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	149	149	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	56	56	0
स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
कुल	440	424	16
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	21		
फरवरी 2013			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	112	102	10
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	44	44	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	0	0	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	13	13	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	6	6	0
कुल	175	165	10
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	10		
मार्च 2013			
स्पोन्सर चाइल्ड अपडेट	146	133	13
स्पोन्सर चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	26	26	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर चाइल्ड	0	0	0
स्पोन्सर कम्यूनिकेशन	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	17	17	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	7	7	0
कुल	196	183	13
निरस्त स्पोन्सर चाइल्ड	4		

❖ वित्तीय विवरण:

INCOME & EXPENDITURE

For the year ended 31st March 2013

EXPENDITURE	Amount	**Income**	Amount
RJ 07 C 2097 Expenses	*250571.00*	RJ 07 C 2097 Receipt	307,705.00
RJ 07 E 0066 Expenses	*38684.00*	RJ 07 E 0066 Receipt	79,731.00
Tata Sumo Expenses	*97278.00*	Tata Sumo Receipt	114,000.00
Tractor Expenses	*37068.00*	Tractor Receipt	3,000.00
Motorcycle Expenses	*6155.00*		
Vehicals Exp. (Total)	**429756.00**	**Vehicals Exp. (Total)**	**504436.00**
Bank Charge & Interst Paid	*13159.00*	*INTERST RECIEVD A/C*	90,700.00
Genrator Expenses	*21420.00*	*Baradana Receipt*	1,300.00
Light & Water Expenses	*426671.00*	*Light & Water Receipt*	347,348.00
Telephone Expenses	*374960.00*	*Telephone Receipt*	409,681.00
Medicine Expenses	*38110.00*	Medicine Receipts	5,722.00
Residance &Beding Expenses	*321682.00*	*RESIDANCE & BEDING RECEIPT*	377,224.00
Mess Expenses	*1764376.00*	*MESS RECEIPT*	1,776,365.00
RKCL Programme Exp	*323852.00*	RKCL Programme Receipt	335,100.00
Training Material Expenses	*39300.00*	Training Material Receipt	31,600.00
Photocopy,Stationary & Office Exp.	*9244.00*	Resource Person Receipt	45,000.00
Meeting & Training Exp	*10378.00*		
Other Exp. (Total)	**3343152.00**	**Other (Total)**	**3,420,040.00**
Grand Total Exp	**3772908.0**	**Grand Total Income**	**3,924,476.00**
Excess Of Income over Exp.	**151568.00**		

Detail of Project Grant Local Fund

S.No.	**Name of Project / Agency**	**Unspent Recoverable Project Grant as on 01.04.2012**	**Grant Received During the Year**	**Expenditure During the Year**	**Repaid to Doner Agency**	**Unspent Recoverable Project Grant as on 31.03.2013**
1	ICDS Project	558,387.00	14,009,869.00	13,978,698.00	-	589,558.00
2	DD ICDS Bikaner	115,855.50	3,049,689.00	3,010,046.00	-	155,498.50
3	NABARD SHG Project	191,460.00	225,700.00	616,750.00	-	(199,590.00)
4	Childline India Foundation	28,127.00	39,360.00	39,360.00	28,127.00	-
5	CM&HO, Bikaner	(121,370.00)	-	-	-	(121,370.00)
6	National Level Monitoring(MORD)	-	58,443.00	115,017.00	-	(56,574.00)
7		14,957.00	295,500.00	257,646.00	-	52,811.00
8	Mpower	(1,062,693.00)	738,113.00	1,212,358.00	-	(1,536,938.00)

	Total	**(275,276.50)**	**18,416,674.00**	**19,229,875.00**	**28,127.00**	**(1,116,604.50)**

Detail of Project Grant FCRA Fund

S.No.	Name of Project / Agency	Unspent Recoverable Project Grant as on 01.04.2012	Grant Received During the Year	Expenditure During the Year	Repaid to Doner Agency	Unspent Recoverable Project Grant as on 31.03.2013
1	Plan International India Chapter	23,831.00	19,692,791.00	19,113,106.00		603,516.00
2	Royal Common Wealth Society For Bliend	112,763.00	677,809.00	787,714.00		2,858.00
	(Sight Savers)					
	Total	**136,594.00**	**20,370,600.00**	**19,900,820.00**	**-**	**606,374.00**

- **ubZ ifj;kstukvksa dh Lohd`fr%**
  foRrh; lekos'ku ,oa foRrh; lk{kjrk vfHk;ku% ukckMZ }kjk chdkusj ftys ds 30 ,oa Jhxaxkuxj ftys ds 10 xkaoksa esa foRrh; lekos'ku ,oa foRrh; lk{kjrk vfHk;ku vk;ksftr djus dh ftEesnkjh laLFkk dks nh xbZA bl vfHk;ku esa T;knk ls T;knk yksxksa dks cSadksa ds lkFk tksM+us dk y{; Fkk ftlds ifj.kkeLo:i ekg ekpZ 2013 es djhc 2500 yksxksa us fofHkUu cSadksa esa vius [kkrs [kqyok;sA